Literacy for a Billion

Movie: Purab Aur Paschim
Year: 1970

Song: Dulhan Chali
Lyricist: Indeevar

पूरब में सूरज ने छेड़ी
जब किरनों की शहनाई
चमक उठा सिंदूर गगन पे
पच्छिम तक लाली छाई

दुल्हन चली हाँ पहन चली
हो रे दुल्हन चली हो पहन चली
तीन रँग की चोली
बाँहों में लहराए गंगा जमुना
देखके दुनिया डोली
दुल्हन चली हो पहन चली
तीन रँग की चोली

आ ... ओ ...
ताजमहल जैसी ताज़ा है सूरत
चलती फिरती अजंता की मूरत
मेल मिलाप की मेंहदी रचाए
बलिदानों की रंगोली
दुल्हन चली हो पहन चली
तीन रँग की चोली

आ ... ओ ...
मुख चमके जूँ हिमालय की चोटी
हो ना पड़ोसी की नीयत खोटी
ओ घर वालों ज़रा इसको सँभालो
ये तो है बड़ी भोली
दुल्हन चली हो पहन चली
तीन रँग की चोली

और सजेगी अभी और सँवरेगी
चढ़ती उमरिया है और निखरेगी
अपनी आज़ादी की दुल्हनिया
बीस के ऊपर हो ली
दुल्हन चली हो पहन चली
तीन रँग की चोली

देश प्रेम ही आज़ादी की
दुल्हनिया का वर है
इस अलबेली दुल्हन का
सिंदूर सुहाग अमर है
माता है कस्तूरबा जैसी
बाबुल गाँधी जैसे
बाबुल गाँधी जैसे
चाचा इसके नहरू शास्त्री
डरे ना दुश्मन कैसे
डरे ना दुश्मन कैसे
वीर शिवाजी जैसे वीरन
लक्ष्मीबाई बहना
लक्ष्मण जिसके दोस्त भगतसिंह
उसका फिर क्या कहना
उसका फिर क्या कहना
जिसके लिए जवान बहा सकते हैं
खून की गंगा
जिसके लिए जवान बहा सकते हैं
खून की गंगा
आगे पीछे तीनों सेना
लेके चले तिरंगा

आ ...

सेना चलती है लेके तिरंगा
सेना चलती है लेके तिरंगा
हों कोई भी प्रान्त के वासी
हों कोई भी भाषा भाषी
सबसे पहले हैं भारत वासी
सबसे पहले हैं भारत वासी
ओ ...
सबसे पहले हैं भारत वासी
सबसे पहले हैं भारत वासी
सबसे पहले हैं भारत वासी

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.